शिक्षक शिक्षा में नवाचारपूर्ण अभ्यास

भरत सिंह, सहायक प्रोफेसर, शाहसतनाम जी कॉलेज ऑफ एजुकेशन सिरसा, हरियाणा, ईमेल:bharatgusaiana@gmail.com

सारांश

शिक्षक शिक्षा प्रणाली स्कूल शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। शिक्षक शिक्षा प्रणाली का पुनरोद्धार और सुदृढ़ीकरण देश में शैक्षिक मानकों को ऊंचा उठाने का एक शक्तिशाली साधन है। शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम की गुणवत्ता में सुधार के लिए कई मुद्दों पर त्वरित ध्यान देने की आवश्यकता है। इनमें से एक है शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम में नवाचार की आवश्यकता।

नवाचार का अर्थ है सीमाओं से परे सोचना और ऐसा कुछ नया बनाना जो पहले से मौजूद चीजों से भिन्न हो। बिना नवाचार के कोई प्रगति संभव नहीं है। शिक्षकों को नवाचारी होना चाहिए और उनकी प्रशिक्षण संस्थाओं से ही यह प्रक्रिया शुरू होनी चाहिए। शिक्षक शिक्षा में नवाचार में आईटी साक्षरता, इंटरैक्टिव टेली-कॉन्फ्रेंसिंग और अन्य आधुनिक विधियाँ शामिल हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनपीई, 1986) ने कहा था, "मौजूदा शिक्षक शिक्षा प्रणाली को पूरी तरह से पुनर्गठित या पुनर्निर्मित करने की आवश्यकता है।" दुर्भाग्यवश, भारत में माध्यमिक शिक्षक शिक्षा संस्थान अधिकांशतः नवाचारी नहीं हैं। अवरोधक कारकों में भौतिक सुविधाओं और धन की कमी, शिक्षक शिक्षकों के बीच नवाचारों का सीमित प्रसार, कठोर ढांचा और अनुसंधान अभिविन्यास की कमी शामिल हैं। इस पत्र में लेखक ने शिक्षक शिक्षा में आवश्यक नवाचार, अवरोधक कारकों पर प्रकाश डाला है और इन चुनौतियों को दूर करने के लिए सुझाव दिए हैं।

SHRADHA EDUCATIONAL ACADEMY